Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. _____
(In words)

Test Booklet No.

J–7207

PAPER–III

Time : 2½ hours] **COMPARATIVE LITERATURE** **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

COMPARATIVE LITERATURE

तुलनात्मक साहित्य

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I
खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks. **(5x5=25 marks)**

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है। **(5x5=25 अंक)**

It is acknowledged that various disciplines have, at different times, undergone rather profound changes, but such changes, having been internally negotiated and contained, are seen as part of the normal instability of the entire knowledge enterprise. Four conditions, it seems to me, must obtain in order to put a discipline in jeopardy. The four conditions derive from the four basic constitutive elements of a discipline : (1) a normative object of study ; (2) a defined field within which this object obtains or is constituted ; (3) a determinate set of theories and methodological procedures that are applied to the object in the field ; (4) a set of individuals who are recognised and identify themselves as practitioners of the discipline and some of whom are engaged in, among other things, the training of those who will succeed them in this practice.

Comparative Literature is doing very well as far as the fourth element is concerned, at least in North America. The number of programmes and departments has grown considerably in recent years, and there is a sense that comparatists, alongside feminists and scholars of ethnic studies, represent what is most progressive and most interesting in the teaching of literature. Some disagreement still obtains as to who is properly trained and qualified comparatist, but it tends to be obscured in the relative success of the enterprise at large.

In recent years, it is the third element that has received the most attention. When even such mass-media instruments as the *New York Times* and *Newsweek* begin to write about the theoretical and methodological disputes that have agitated our domain, it is clear that this agitation must have reached a threshold beyond which a more direct societal interest begins to assert itself.

ऐसा माना जाता है कि विभिन्न विषयों में, समय-समय पर, विभिन्न परिवर्तन हुए है लेकिन ये परिवर्तन आभ्यंतर रूप से स्वीकार हुए। इनमें पूर्ण ज्ञान उद्यम की सामान्य अस्थिरता के अंग थे। मुझे ऐसा प्रतीत होता है कि, एक विषय को संकट में डालने की चार शर्तें हैं। ये चारों शर्तें विषय को निर्मित करने वाले चार मूल तत्त्वों से उद्‌भूत हैं : (1) अध्ययन की आदर्श विषय वस्तु (2) विषयवस्तु का विषय क्षेत्र (3) विषय वस्तु से संबंधित निश्चित सिद्धान्त एवं उसके व्यवहार की पद्धतियों का समुच्चय (4) उस क्षेत्र में काम करने वाले विद्वान तथा वे विद्वान जो उसके व्यवहार एवं प्रशिक्षण से संबद्ध हैं।

जहाँ तक चौथी शर्त का सम्बन्ध हैं, तुलनात्मक साहित्य में बहुत काम हो रहा है, कम से कम उत्तरी अमेरिका में इन वर्षों में कार्यक्रमों एवं विभागों की संख्या में वृद्धि हुई है, तथा ये एक दृष्टि से तुलना करने वाले, नारी अधिकारवाद और नृजाति संबंधी विषयों में अध्ययनरत विद्वान साहित्य के अध्यापन में अत्यन्त प्रगतिशीलता और रोचकता का दिग्दर्शन करते हैं। प्रशिक्षित एवं योग्य तुलना करने वालों के सामने विवाद भी खड़े हुए। अन्ततः इससे इनकी सफलता सापेक्षतया बाधित हुई।

इन वर्षों में तीसरे तत्त्व ने सबसे अधिक ध्यान आकर्षित किया। जबकि ऐसे जनसंचार माध्यमों जैसे, '*न्यूयार्क टाइम्स*' और '*न्यूजवीक*' ने जब उनके सैद्धान्तिक और पद्धतिमूलक विवाद, जो कि इस क्षेत्र में उत्तेजना फैला रहे थे, के बारे में लिखना शुरू किया। इससे स्पष्ट है कि यह आन्दोलन उस सीमा तक पहुँच गया होता जहाँ कि इसने सीधा सामाजिक अभिरुचि इसके समर्थन में उत्पन्न हुई।

1. What does the author imply by "the normal instability of the entire knowledge enterprise" ?
'पूर्ण ज्ञान उद्यम की सामान्य अस्थिरता' से लेखक का क्या तात्पर्य है?

2. What are the minimum requirements of a discipline ?
किसी विषय की न्यूनतम आवश्यकताएँ क्या-क्या है?

3. What does the author think of comparative literature in North America ? What is his rationale in this regard ?

उत्तरी अमेरिका में तुलनात्मक साहित्य से लेखक का क्या अभिप्राय है? इसके संबंध में उसके तर्क क्या है? स्पष्ट कीजिए।

4. What are the author's comments on the mass-media in regard to comparative literature and why ?

तुलनात्मक साहित्य के संबंध में जनसंचार माध्यमों के बारे में लेखक के क्या विचार है और क्यों?

5. Who, according to you, is a qualified comparatist ?
आपके विचार में योग्य तुलनाविद् कौन हो सकता है?

SECTION - II
खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks. **(5x15=75 marks)**

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है। **(5x15=75 अंक)**

6. Comment critically on the literary significance of 'Deconstruction'.
'विघटन' के साहित्यिक महत्त्व पर आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिए।

7. Write a critical note on 'the realm of Dialogism'.
'वाकोपवाक के क्षेत्र' के बारे में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

8. Myths and Archetypes are "Our polyvalence". Comment.
मिथ एवं आद्यरूप 'हमारे बहुसंयोजक' है। टिप्पणी कीजिए।

9. Write a note on the emergent poetry in English of Tamilnadu.
तमिलनाडु की आपाती अंग्रेजी कविता के बारे में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

10. Write a note on the significance of Buddhist idea of 'action' in Indian literature.
भारतीय वाङ्मय में बौद्ध धर्म में 'कर्म' के विचारों की महत्ता के बारे में संक्षेप में लिखिए

11. Discuss the relevance of traditions in comparative Indian literature.
तुलनात्मक भारतीय साहित्य में परंपराओं की प्रासंगिकता के बारे में चर्चा कीजिए।

12. How far is it correct to say that the notion of 'influence' is virtually the key concept in comparative literature ?
यह कहना कहाँ तक समीचीन है कि तुलनात्मक साहित्य में 'प्रभाव' की धारणा वास्तव में मूल्य संकल्पना है?

13. "Influence is a conscious or unconscious form of appropriation". Comment briefly.
'' 'प्रभाव' औचित्य की चेतन या अवचेतन का रूप है'' संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

14. Discuss the problem of periodisation from a comparative view point.
तुलनात्मक दृष्टि से समसामयिक-समस्या से क्या तात्पर्य है। चर्चा कीजिए।

15. What is the literary significance of Methodology' ?
'पद्धति' की साहित्यिक महत्ता क्या है?

16. Discuss the concept of 'General literature' ?
'सामान्य साहित्य' की संकल्पना पर विचार प्रकट कीजिए।

17. Discuss the concept of 'Akam Poetry' ?
'एकाम पोइटरी' की संकल्पना की चर्चा कीजिए।

18. What is the relevance of Russian Formalism ?
'रूसी शिष्टाचार' की क्या प्रासंगिकता है?

19. What is the principle of 'Vakrokti' in Indian poetics ? Comment.
भारतीय काव्यशास्त्र में 'वक्रोक्ति सिद्धान्त' क्या है?

20. Explain the idea of 'negative reception' ?
ऋणात्मक ठहराव की संकल्पना क्या है? व्याख्या कीजिए।

SECTION - III
खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions of twelve (12) marks each. Each question is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में बारह (12) अंकों के पाँच (5) प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है। **(12x5=60 अंक)**

21. Cross-cultural literary study is not comparable to following "a mathematical demonstration; it is a hermeneutic enterprise." Do you agree ? Give your reasons.
सांस्कृतेतर साहित्यिक अध्ययन की तुलना उससे नहीं की जा सकती, जैसे 'गणितीय निरूपण यह शब्दार्थ मीमांसा संबंधी उद्यम है।' तर्क देते हुए स्पष्ट कीजिए कि आप इससे कहाँ तक सहमत हैं?

22. "Every translation entails an element of interpretation through defamiliarization of language." Examine this statement critically.
''हर अनुवाद में भाषा के अपविख्यातीकरण के द्वारा तत्वों की व्याख्या निहित होती है।'' इस कथन के बारे में आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिए।

23. Comparative literature in India has "both a personal and a professional incentive whose historical significance must not be underestimated." Comment.
''भारत में तुलनात्मक साहित्य 'वैयक्तिक और व्यावसायिक उद्दीपन मिला जिसका ऐतिहासिक महत्व नहीं समझा जा सकता''। टिप्पणी कीजिए।

24. Oral tradition "has fixed no standard, but leaves scope for beauties of many different kinds." Do you agree with this view ?
'वाचिक परंपरा' का कोई निश्चित मानक नहीं था, परंतु उसने, विभिन्न प्रकार के सौन्दर्यों के लिए क्षेत्र विकसित किया। आप इस कथन से कहाँ तक सहमत हैं?

25. The pseudo-literary conception of Deconstruction is that it is "a subject belonging to philosophy or general political history." Examine critically.
विघटन की कृत्रिम साहित्यिक अवधारणा है कि यह 'दर्शनशास्त्र या सामान्य राजनीतिक इतिहास का विषय है'' इस पर आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिए।

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. The politics of translation during the colonial period in India.
भारत में औपनिवेशिक काल में अनुवाद की राजनीति।

OR/अथवा

French school of comparative Literature.
तुलनात्मक साहित्य के फ्राँसीसी मत।

OR/अथवा

The diachronic study of Themes.
विषय का कालक्रमिक अध्ययन

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....